

जो पहले कर ना सकी थी

“मैंने चुपचाप आँखें मूंद ली... काफ़ी दर्द हो रहा था, ऐसा लग रहा था कि मैं कोई गर्भवती थी, अभी मेरा प्रसव हुआ है और मेरा बच्चा मेरे दोनों निप्पल चूस रहा है... ..”

Story By: (madhurrekha)

Posted: Sunday, November 4th, 2012

Categories: [हिंदी सेक्स कहानियाँ](#)

Online version: [जो पहले कर ना सकी थी](#)

जो पहले कर ना सकी थी

वो भी कर ही लिया

लगातार मेरी नाक बह रही है, सारा बदन टूट रहा है, अभी उठी हूँ... श्रेया ने कॉफी बना कर दी, उससे भी ज्यादा कुछ फ़र्क नहीं लगा उसने पूछा- कैसी तबीयत है ?

मैं बोली- थोड़ा दर्द है चूचियों और निप्पलों में पर ज्यादा नहीं !

वो हंसती रही मुझे देख कर..

कल दोपहर सजा के तौर पर किए गए कारनामे के बाद मुझे लगा कि मैं क्यों नहीं कर पाई थी अपना कारनामा तो सोचा आज अपने तरीके से करके देखती हूँ, पर फिर भी अपने मित्र से चैट करके कुछ सलाह ली और उसके बाद मैंने तैयारी शुरू की...

जल्दी से साड़ी पेटिकोट सब उतार कर सिर्फ़ वही काला गाउन पहन लिया... सामान इकट्ठा करने लगी।

फ़्रीज़र पहले सी फुल कूल मोड पर कर दिया था... देखा, ढेर सारी बर्फ़ थी उसमें... अब सामान जोड़ने लगी...

जो करतब मैं करने की सोच रही थी, मुझे पहले मालूम था कि यह बहुत तकलीफ़देह होगा, हाथ-पैर बांधने ही पड़ेंगे वरना नहीं सह पाऊँगी, कल का अनुभव था... तभी सोचा रस्सी.. पर इससे बहुत दर्द होगा और मैं कोई जानवर थोड़े हूँ... समझ नहीं आ रहा था.. तभी ध्यान में आया कि पेटिकोट के नाड़े ठीक रहेंगे... तीन नाड़े जुटा लिए पर कम थे, ज़रूरत थी 4-5 की !

श्रेया के लोअर में से 3 मजबूत फ्रीते निकाल लिये, अब तीन मोमबत्ती निकाल कर रख ली...

पर चीख रोकने के लिए क्या ? रस्सी से काम नहीं चलेगा, तभी श्रेया का स्टॉल लिया... तब सोचा पलंग या दीवान पर बँधना सम्भव नहीं था, तभी याद आया.. मेरे पति ने अपने लिए एक खटिया जैसा पलंग लिया था... उसने मच्छरदानी बान्धने के लिये चारों तरफ़ जगह थी।

एक दिया जला कर पास रख दिया उसमें ढेर सारा तेल डाल दिया मोमबत्ती के लिए काम आएगा.. हड़बड़ में माचिस से कुछ गलती हो सकती है।

अब घण्टी बजी श्रेया आ गई... उसे कुछ पता नहीं था, दोनों ने कॉफ़ी पी, उसे कॉफ़ी पीते पीते मैंने सब धीरे धीरे बताया। यह भी बताया कि जो मैं करूंगी, वो बाद में तुझे भी करना है।

वो बोली- आप करो.. मैं नहीं करूंगी।

मैंने कहा- फिर कब ऐसा मौका मिलेगा, तुम्हें तो मुझसे आधा ही करना है...

असल में वो मोमबत्ती से चूचियों पर मोम टपकाने से डर गई.. मैंने कहा- जितनी बूंदें तू मुझ पर डालेगी, उनसे आधी ही मैं तुझ पर डालूंगी, इसमें मज़ा आएगा ! मैंने दो बार हाथ पर मोम डाल कर देख लिया है।

तो वो मान गई। उसने डीवीडी पर नई फ़िल्म लगाई, आवाज थोड़ी तेज कर दी कि अगर चीख निकली तो बाहर ना जाए। कमरे में एसी का तापमान बढ़ा लिया !

मैंने उसे बर्फ़ का गिलास और आइस क्यूब ट्रे लाने को कहा... गिलास दो दिन फ्रीज़र रहने

के कारण सख्त था, बर्फ अंदर-बाहर जमी थी ऐसा लगा था जैसे पूरा बर्फ का हो...

मैंने कहा- थोड़ी देर में निकल जाएगी बर्फ, तब तक बाकी काम कर ले...

मैंने उसे नंगी होने को कहा, खुद भी गाऊन उतार दिया और खटिया पर एक कम्बल बिछा दिया और लेट गई हाथ फैला कर, श्रेया से कहा- शुरू कर !

उसने अभी सिर्फ ऊपर के कपड़े उतारे थे, ब्रा-पैटी पहनी हुई थी.. मैंने कहा- इन्हें क्यों अपने बदन पर लटका रखा है ? उतार कर फेंक दे !

वो मना करने लगी पर मैंने कहा- नहीं, यह खेल की शर्त है, दोनों पूर्णनगनावस्था में रह कर सारा करतब करेंगी ।

थोड़े गुस्से से उसने अपने दोनों अधोवस्त्र उतार कर दीवान पर फेंक दिए ।

मैंने कहा- मेरे दोनों पैर नाड़े से बान्ध कस के ! खुले ना !

उसे अच्छा नहीं लगा, मैंने कहा- अरे बाबा, कुछ नहीं होगा, यह तो इसलिए ताकि मैं ज्यादा हिलडुल ना सकूँ ।

फिर उसने मेरे दोनों पैर फैलाकर दूर दूर बाँध दिए इतने कसकर कि हिलाना मुश्किल था ।

अब मैं बोली- हाथों को भी नाड़े से ऐसे ही बान्ध दे !

उसने दो नाड़ों से उसने बाँध दिया...

मैंने कहा- एक स्टॉल पेट के ऊपर से, दूसरे से मुँह को बांध देना बाद में !

उसने मेरे कहे अनुसार कर दिया ।

अब तक गिलास की बर्फ पिघल कर निकलने लायक नहीं हुई थी, दो दिन से जमी थी ना। फिर ठोक कर श्रेया ने गिलास से बर्फ निकाली.. थोड़ी बड़ी लग रही थी, शायद अंदर ना जाए, मैंने कहा- इतनी बड़ी मत डालना प्लीज..

अब तो मैं बँधी थी... हर कारनामे के वक़्त खड़े रहने वाले मेरे उरोज अब जैसे मरे पड़े थे... नीचे लटक रहे थे, शायद उन्हें भी डर था कि आज उनके साथ क्या होगा, पता नहीं !

श्रेया ने दोनों हाथ से मेरी चूचियाँ बगल से ऊपर को बीच में की मगर फिर नीचे लटक गई.. दो तीन बार ऐसा हुआ, वो नीचे जा रहे थे श्रेया नटखट है, अंदर गई और वो ऊन के धागे ले आई...

मैंने कहा- क्या करेगी ?

वो बोली- देखती रहो आप...

उसने धागों से ठीक से मेरे चुचूकों को बान्ध दिया और डोर मेरे मुँह में दे दी, बोली- आपके हैं, अब संभालो इन्हें...

मज़ाक में मैंने खींचा तो दोनों बराबर खड़े हो गये... अब सब तैयार था पर बर्फ नहीं पिघल रही थी, उसने दोनों खड़े निप्पलों पर थोड़ी क्रीम लगाई बड़े आराम से कहीं ऊन ना खुल जाए, मुझे गुदगुदी हुई... मैंने अपने होंठ दांतों के नीचे दबा लिए...

अब उसने दो आइस क्यूब से मेरे चूचों को ठंडा कर दिया, बहुत गुदगुदी हो रही थी, पर हिल ना पाई। उसे तो बड़ा मज़ा आ रहा था...

अब उसने स्टॉल से कस कर मुँह बाँध दिया.. मैंने भी विरोध नहीं किया... उसने आराम से मेरी योनि में उंगली डाली, कुछ पानी सा निकल रहा था, उसने वो गिलास वाली लम्बी

बर्फ़ मेरी चूत से लगाई तो मैं हिल गई, खुलने की कोशिश की...

अब उसे लगा कि मैं अंदर नहीं लूँगी, तभी वो अंदर से उसने कोई स्प्रे लाई, मेरी योनि पर छिड़का ! मुझे अजीब सा लगा...

उसने कहा- इससे दर्द कम होता है...

अब वो बार बार बर्फ़ को मेरी योनि में डालने का प्रयास करती, पर असफल हो रहा था...

वो गिलास के आकार की बर्फ़ का मोटा हिस्सा मेरे अन्दर घुसाने की कोशिश कर रही थी, तभी उसने नीचे वाला पतला हिस्सा मेरी चूत पर टिकाया, एक हाथ से ठीक से योनि-लबों को खोला, दूसरे से ज़ोर से धकेल दिया... अब एकदम से पूरी बर्फ़ अंदर चली गई, मेरी चीख निकल गई पर टीवी की आवाज़ में मेरी आवाज़ दब गई... मैं छूटपटाने लगी...

स्प्रे से दर्द कम था पर ऐसा लगा कि कोई आइस बेबी अंदर हो, मेरी डीलिवरी के टाइम में ऐसा ही दर्द हुआ था, बता नहीं सकती, सोच कर भी डर जाती हूँ... मैं उछलने लगी, श्रेया से कहा- निकाल दे..

पर उसने उंगली डाल कर खींचा और बाहर निकाल कर और ज़ोर से अंदर डाल दिया। मुझे पता था कि अब यह नहीं मानेगी, उसने टी वी की आवाज़ और बढ़ा दी। मैं बोलने का प्रयास ना करूँ इसलिए एक आइस क्यूब स्टॉल से नीचे से मेरे मुँह में डाल दिया। मैं मन ही मन उसे गालियाँ देने लगी, पता नहीं श्रेया इतनी कठोर कैसे हो गई।

उसने कुछ आइस क्यूब मेरी चूचियों पर रगड़े, तभी उसने दिये से मोमबत्ती जलाई.. ऊपर से मेरे दायें स्तन पर मोम टपकाने लगी, मुझे हल्का सा दर्द हुआ पर यह गर्मी नीचे के आइस बेबी से अच्छी थी।

फिर उसने मेरे बायें उभार पर मोम टपकाया... मैं उछल पड़ी... पर बँधी थी... अब उसने एक मोमबत्ती और जलाई और ऊपर से एक साथ दोनों चूचियों पर मोम गिराने लगी, बूंद के उभार पर छूने से पहले ही मैं उछल पड़ती.. पर मेरे चूचे बर्फ़ लगाने के कारण ठण्डे थे तो मोम एकदम ठण्डा होकर जम जाता ।

पर नीचे चूत से तो मानो मैं मर ही गई थी, जैसे योनि में जान ही नहीं थी... मैंने आँखें बन्द कर ली थी, मेरी दोनों आँखों से ढेर सा पानी बह रहा था...

पर तभी उसने दोनों मोमबत्तियों से मेरे निप्पलों पर मोम टपकाया तो मैं जलन से तड़प उठी, अपने दोनों हाथ खींच कर मैंने अपने बन्धन तोड़ दिये ।

उसने झट से मोमबत्तियाँ बुझाई, मेरी रस्सियाँ खोली, मुझे लगा मैं बहोश हो रही हूँ...पर नहीं ! जल्दी से उसने मुझ पर गरम चादर डाली, पैर खोल दिए, थोड़ा स्प्रे मेरे वक्ष पर किया...

थोड़ा सुकून लगा.. मैं चल तक नहीं पा रही थी, उसने वैसे ही सहारा देकर उठा कर मुझे बेड पर लिटाया, मेरी टाँगें भी हिल नहीं रही थी, शायद अब भी आइस बेबी अंदर था ।

पर उसने कहा- सब पिघल गया है...

मैंने चुपचाप आँखें मूंद ली... काफ़ी दर्द हो रहा था, ऐसा लग रहा था कि मैं कोई गर्भवती थी, अभी मेरा प्रसव हुआ है और मेरा बच्चा मेरे दोनों निप्पल चूस रहा है...

नाक अब भी लगातार बह रही है, कहानी टाईप करते करते भी.. और गाउन के अलावा कुछ नहीं पहन पाई हूँ, ना ऊपर ना नीचे !

आज रात श्रेया का भी ऐसा ही हाल करूँगी, पक्का ! पर इतना ज्यादा नहीं, वो नाजुक है..

नहीं सह पाएगी ज्यादा !

मुझे उम्मीद है कल मेरी मासिक शुरू हो जाएगी, अभी मीठा मीठा दर्द है पूरे बदन में, निप्पल और योनि तो इतने संवेदनशील हो रहे हैं कि शायद एक दो दिन तक कुछ ना पहन सकूँ अंदर ! अब तो बदन ढकने के लिये सिर्फ काले गाउन ही सहारा है !

madhurrekha@hmamail.com



Other stories you may be interested in

बारिश में वो जबलपुर वाली नंगी जवान लड़की

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार, इस प्यारी साईट को एक नए मुकाम तक लाने में आप सभी का बहुत सारा योगदान रहा। मैंने इस साईट की काफी सारी कहानी पढ़ी हैं जो काफी रोचक और गुदगुदाने [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसन जवान लड़की की चूत में मेरा लंड-1

हाय दोस्तो और प्यारी लौंडियो.. मेरा नाम विककी है और मैंने IIT Roorkee से इंजीनियरिंग करने के बाद अहमदाबाद से एमबीए किया है। पढ़ाई करने के बाद मैं अपने यहीं एक एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट कम्पनी में बहुत अच्छे पद पर कार्यरत हूँ। [...]

[Full Story >>>](#)

इलेक्ट्रिक शेवर ने मामी को दिलाया सेक्स का मजा-2

सम्पादिका : श्रीमती तृष्णा लूथरा मामा के साथ मुंबई स्टेशन से ठाणे तक पहुंचने में हमें डेढ़ घंटा लग गया और हम दोपहर के लगभग साढ़े बारह बजे के बाद ही उनके घर पहुंचे। जब हम घर पर पहुंचे तब मेरा [...]

[Full Story >>>](#)

बरसात में मेरी जबरदस्त गांड चुदाई

अन्तर्वासना पर हिंदी सेक्स स्टोरीज के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार। बात करीब 2 महीने पहले की है। मैं फाफा मऊ से अपने घर वापस आ रहा था, तेज बारिश हो रही थी.. मैं बिल्कुल भीग चुका था। तभी अचानक [...]

[Full Story >>>](#)

पतियों की अदला बदली-5

रेखा ने अपने बाँस की पत्नी को वादा किया था कि वो रात को अपने पति का लंड दिखाएगी। रात को रेखा ने जानबूझ कर अनिल को व्हिस्की एक पेग ज्यादा लेने दी और बेड पर वो ज्यादा ही सेक्स [...]

[Full Story >>>](#)



Other sites in IPE

Savitha Bhabhi



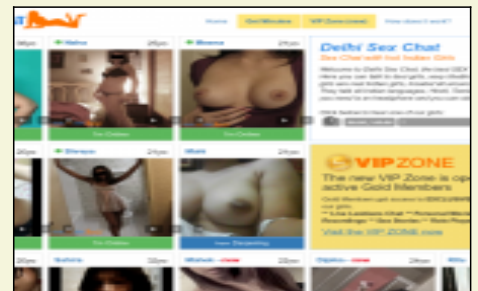
Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Antarvasna Shemale Videos



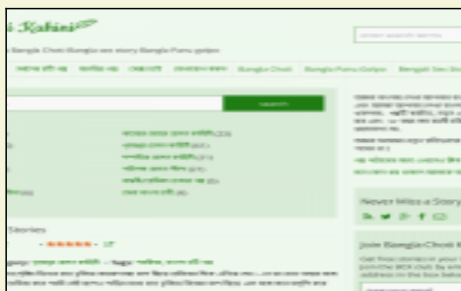
Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Delhi Sex Chat



Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Bangla Choti Kahini



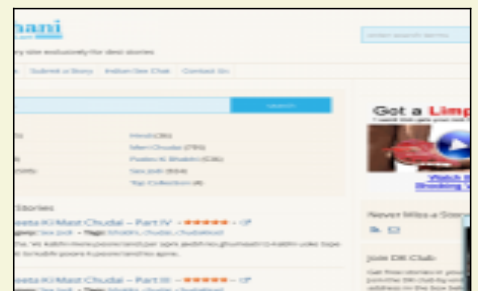
বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফস্টে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Indian Phone Sex



Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Desi Kahani



India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.